अल्लाह अगले तथा पिछले सब लोगों को एक बड़े तथा समतल मैदान में जमा करेगा, जहाँ आवाज़ देने वाले की आवाज़ सब को पहुँच सकेगी और देखने वाला सब को देख सकेगा और सूरज बहुत नज़दीक होगा। लोगों को असहनीय कष्ट एवं पीड़ा का सामना होगा।

अबू हुरैरा -रज़ियल्लाहु अनहु- का वर्णन है कि अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- के पास मांस लाया गया और बाज़ू का मांस उठाकर आपके सामने रखा गया, क्योंकि बाज़ू का मांस आपको पसंद था। चुनांच आपने अपने दांत से काटकर एक बार खाया और उसके बाद फ़रमाया : “क़यामत के दिन मैं लोगों का सरदार रहूँगा। क्या तुम जानते हो ऐसा क्यों होगा? अल्लाह अगले तथा पिछले सब लोगों को एक बड़े तथा समतल मैदान में जमा करेगा, जहाँ आवाज़ देने वाले की आवाज़ सब को पहुँच सकेगी और देखने वाला सब को देख सकेगा और सूरज बहुत नज़दीक होगा। लोगों को असहनीय कष्ट एवं पीड़ा का सामना होगा। अतः, लोग आपस में कहेंगे : क्या तुम नहीं देखते कि कैसी तकलीफ़ में पड़ चुके हो? तुम किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश क्यों नहीं करते, जो तुम्हारे रब के सामने तुम्हारी सिफ़ाश कर सके? फिर आपस में एक-दूसरे से कहेंगे कि आदम -अलैहिस्सलाम- के पास चलो। अतः, वे आदम -अलैहिस्सलाम-के पास आएँगे और कहेंगे : आप इन्सानों के पिता हैं, अल्लाह ने आपको अपने हाथों से बनाया, फिर आपके अंदर रूह फूँकी, फरिश्तों को सजदा करने का आदेश दिया, तो उन्होंने आपको सजदा किया। आप हमारे लिए अपने रब के पास सिफ़ारिश कर दें। क्या आप नहीं देखते कि हम कैसी तकलीफ़ में हैं? क्या आप नहीं देखते कि हमारा कष्ट कितना बढ़ चुका है? आदम - अलैहिस्सलाम- कहेंगे : आज मेरा रब बहुत गुस्से में है। ऐसा गुस्सा न कभी पहले किया था और न बाद में करेगा। मुझे उसने एक पेड़ के फल से मना किया था, लेकिन मैंने खा लिया था। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। तुम किसी दूसरे के पास जाओ। तुम नूह -अलैहिस्सलाम- के पास जाओ। लोग नूह - अलैहिस्सलाम- के पास आएँगे और कहेंगे : ऐ नूह, आप प्रथम रसूल बनकर ज़मीन पर आए और अल्लाह ने आपको अपना शुक्रगुज़ार बंदा कहा है। आप हमारे लिए अपने पालनहार के पास सिफ़ारिश कर दें। क्या आप नहीं देखते कि हम कैसी तकलीफ़ में हैं? वह कहेंगे : आज मेरा रब बहुत गुस्से में है। न इससे पहले कभी ऐसे गुस्से में था और न बाद में कभी ऐसे गुस्से में होगा। दरअसल, मुझे एक दुआ का अधिकार था, जो मैंने अपनी जाति के विरुद्ध कर डाली है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मेरे सिवा तुम किसी और के पास जाओ। तुम इब्राहीम -अलैहिस्सलाम- के पास जाओ। यह सुनकर सब लोग इब्राहीम -अलैहिस्सलाम- के पास आएँगे और कहेंगे : ऐ इब्राहीम! आप अल्लाह के नबी और तमाम अहले ज़मीन में से उसके दोस्त हैं। आप रब के पास हमारी सिफारिश करें। क्या आप नहीं देखते कि हमें कैसी तकलीफ़ हो रही है? लेकिन वह भी उनसे कहेंगे : आज मेरा रब बहुत गुस्से में है। न इससे पहले कभी इतना गुस्सा हुआ और न बाद में होगा। मैंने (दुनिया में) तीन झूठी बातें कही थीं। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मेरे सिवा तुम किसी और के पास जाओ। अच्छा, तुम मूसा -अलैहिस्सलाम- के पास जाओ। फिर लोग मूसा -अलैहिस्सलाम- के पास जाएँगे और कहेंगे : ऐ मूसा ! आप अल्लाह के रसूल हैं। अल्लाह ने आपको, अपने साथ बात करने का

सौभाग्य प्रदान करके और रसूल बनाकर, अन्य लोगों की तुलना में श्रेष्ठता प्रदान की है। आज आप अल्लाह के सामने हमारी सिफ़ारिश करें। क्या आप नहीं देखते कि हम किस प्रकार के कष्ट में हैं? मूसा -अलैहिस्सलाम- कहेंगे : आज तो मेरा रब बहुत गुस्से में है। इतना गुस्सा न कभी हुआ था और न कभी होगा। दरअसल, मैंने एक ऐसे व्यक्ति का वध कर दिया था, जिसके वध का मुझे आदेश न था। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। तुम किसी और के पास जाओ। तुम ईसा -अलैहिस्सलाम- के पास जाओ। चुनाँचे सब लोग ईसा -अलैहिस्सलाम- के पास जाएँगे और कहेंगे : ऐ ईसा! आप अल्लाह के रसूल और वह शब्द हैं, जो उसने मरयम -अलैहिस्सलाम- की तरफ़ भेजा था। आप उसकी ओर से प्रेषित रूह हैं और आपने गोद में लोगों से बात की थी। आप हमारे लिए सिफारिश करें। आप देखें कि हम किस मुसीबत में हैं? ईसा -अलैहिस्सलाम- कहेंगे कि आज मेरा परवरदिगार बहुत गुस्से में है। इतना गुस्सा वह न कभी हुआ था और न कभी में होगा। ईसा -अलैहिस्सलाम-किसी गुनाह का ज़िक्र नहीं करेंगे। अलबत्ता, यह ज़रूर कहेंगे : मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मुझे अपनी चिंता सता रही है। मेरे अलावा किसी और के पास जाओ। तुम लोग मुहम्मद -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- के पास जाओ। लोग मुहम्मद - सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- के पास जाएँगे और कहेंगे : ऐ मुहम्मद! आप अल्लाह के रसूल और अंतिम नबी हैं। अल्लाह ने आपके अगले तथा पिछले सब गुनाह माफ़ कर दिए हैं। आप अल्लाह से हमारी सिफारिश फरमाएँ। क्या आप नहीं देखते कि हम कैसे कष्ट में हैं? अतः मैं चल पड़ूँगा और अर्श के नीचे जाकर अपने सर्वशक्तिमान एवं महान रब के सामने सजदे में गिर जाऊँगा। फिर अल्लाह अपनी प्रशंसा तथा स्तुति की ऐसी-ऐसी बातें मेरे दिल मे डाल देगा, जो मुझसे पहले किसी के दिल में डाली नहीं गई होंगी। चुनाँचे मैं उसी के अनुसार अल्लाह की प्रशंसा व स्तुति करूँगा। फिर कहा जाएगा : ऐ मुहम्मद! अपना सर उठाओ। तुम माँगो, तुम्हें दिया जाएगा तथा सिफ़ारिश करो, तुम्हारी सिफ़ारिश ग्रहण की जाएगी। अतः, मैं सर उठाऊँगा और कहूँगा : ऐ मेरे रब! मेरी उम्मत पर रहम फ़रमा। ऐ मेरे रब! मेरी उम्मत पर रहम फ़रमा। ऐ मेरे रब! मेरी उम्मत पर रहम फ़रमा। चुनाँचे कहा जाएगा : ऐ मुहम्मद! अपनी उम्मत के उन लोगों को, जिनका हिसाब नहीं होगा, जन्नत के दाएँ दरवाज़े से दाख़िल करो। जबकि वे अन्य लोगों के साथ, दूसरे दरवाज़ों से भी जन्नत में प्रवेश कर सकते हैं।” फिर आपने फरमाया : “क़सम है उस ज़ात की जिसके हाथ में मेरी जान है! जन्नत के दरवाज़ों के दो पाटों के बीच की दूरी मक्का और हिमयर -या मक्का और बुसरा- के बीच की दूरी के बराबर है।” [स़ह़ीह़] [इसे बुख़ारी एवं मुस्लिम ने रिवायत किया है]

अल्लाह के नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अपने साथियों के साथ एक निमंत्रण में शरीक हुए। वहाँ आपके साथ बकरी का बाज़ू रखा गया। क्योंकि आपको बकरी के बाज़ू का मांस बहुत पसंद था। चुनांचे आपने अपने दाँत से एक बार उसे काटकर खाया और उसके बाद फ़रमाया : मैं क़यामत के दिन आदम की संतानों का सरदार रहूँगा। आपने यह बात अल्लाह के अनुग्रह का आभार व्यक्त करने के लिए कही। उसके बाद पूछा : क्या तुम जानते हो कि यह कैसे होगा? फ़रमाया : क़यामत के दिन सभी लोग एक विशाल, सपाट भूमि पर एकत्र किए जाएँगे। लोग इस तरह एकत्र होंगे कि एक पुकारने वाला सब को अपनी आवाज़ सुना सकेगा। अर्थात्, कोई बात करे, तो सब तक आवाज़ पहुँच जाएगी। भूमि इतनी सपाट होगी कि एक देखने वाला सब को देख सकेगा। कोई उसकी नज़र से छुपा नहीं रहेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो कोई ऐसी वस्तु नहीं होगी, जो किसी को देखने वालों की नज़रों से छुपा सके। सूरज (का हाल यह होगा कि) सृष्टियों से एक मील निकट आ जाएगा। चुनांचे लोगों को असहनीय कष्ट एवं पीड़ा का सामना होगा। अतः सिफ़ारिश द्वारा उससे छुटकारा पाना चाहेंगे। ऐसे में अल्लाह ईमान वालों के दिलों में यह बात डालेगा कि वे मानव पिता आदम अलैहिस्सलाम के पास जाएँ। चुनांचे लोग उनके पास जाएँगे और उनकी फ़ज़ीलत बयान करेंगे, ताकि वह अल्लाह के यहाँ उनके लिए सिफ़ारिश कर दें। लोग उनसे कहेंगे : आप मानव पिता हैं। अल्लाह ने आपको अपने हाथ से पैदा किया है, अपने फ़रिश्तों से सजदा कराया है, हर वस्तु का नाम सिखाया है और आपके अंदर अपनी ओर से रूह फूँकी है। लेकिन वह असमर्थता व्यक्त कर देंगे और कहेंगे : मेरा

के बीच है या जितना मक्का और शाम के बुसरा यानी हूरान नगर के बीच है।

http://sunnah.global/hadeeth/hi/show/8345